

वस्तु का
सुनी रात्री / जाणी सुता ११. मूल वा
निर्णय तस्य व्युत्पत्ति (conform) का जाणी
पत्रावली प्रकृत शिवा होकर र्क लका
मूल काप र्के

उप विद्या कलकटा
बन (बरातपुर)